P-1001

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-204

नाटक एवं नाटिका

MA Sanskrit (MASL)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. शूद्रक की काव्यकला एवं नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।

2. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर चारुदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) पर्यंकग्रन्थिबन्धद्विगुणितभुजगाश्लेषसंवीतजानो-

रन्तः प्राणावरोधव्युपरतसकलज्ञानरूद्धेन्द्रियस्य।

आत्मन्यात्मानमेव व्यपगतकरणं पश्यतस्यत्त्वदृष्टया

शम्भोर्वः पातु शून्येक्षणघटितलयब्रह्मलग्नः समाधिः।

(ख) सत्यं न मे विभवनाषकृतास्ति चिन्ता।

भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।

एतत्तु मां दहति नष्टधनाश्रयस्य

यत्सौहृदादपि जनाः शिथिली भवन्ति।

(ग) आलोक विशाला में सहसा तिमिरप्रवेशविच्छिन्न।

उन्मीलितापि दृष्टिर्निमीलितेवान्धकारेण।।

(घ) त्रेताहृतसर्वस्वः पावरपतनाच्च शोषित शरीरः।

नर्दित दर्शित मार्गः करेन विनिपातितो यामि।।

4. 'रत्नावली' नाटिका के आधार पर विदूषक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. नाट्य साहित्यिक के उद्भव पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. मृच्छकटिकम् के प्रतिनायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. मृच्छकटिकम् में वर्णित सामाजिक दशा का वर्णन कीजिए।

3. 'रत्नावली' नाटिका के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. 'रत्नावली' के प्रथम अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5. चारुदत्त के सैद्धान्तिक पक्षों का निरूपण कीजिए।

6. निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी अनुवाद कीजिए :

(क) यः कश्चत्वरितगतिर्निरीक्षतेमां
सम्भ्रान्तं द्रुतमुपसर्पति स्थितं वा।
तं सर्वं तुलयति दूषितोऽतरात्मा
स्वैर्दोषैर्भवति हि शङ्कितो मनुष्यः।।

(ख) औत्सुक्येन कृतत्वरा सहभुवा व्यावर्तमाना ह्रिया
तैस्तैर्बन्धुवधूजनस्य वचनैर्नीताभिमुख्यं पुनः।
दृष्टवाग्रे वरमात्तसाध्वसरसा गौरी नवे संगमे
संरोहत्पुलका हरेण हसता श्लिष्टा शिवायाऽस्तु वः।।

7. शूद्रक कवि का परिचय दीजिए।

8. विदूषक का चरित्र-चित्रण कीजिए।